

डॉ. के. श्रीनिवासरव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी में स्वच्छता पखवाड़े का समापन
स्वच्छता का महत्त्व विषय पर हुआ व्याख्यान

नई दिल्ली। 29 अप्रैल 2022; साहित्य अकादेमी द्वारा मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े का समापन 'स्वच्छता का महत्त्व' विषय पर प्रख्यात पत्रकार एवं लेखक अमरनाथ 'अमर' के व्याख्यान से हुआ। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय संस्कृति में स्वच्छता हमेशा से जीवन का अभिन्न अंग रही है। जीवन से जुड़े हर पर्व और उत्सव की शुरुआत घर और आस-पास के परिवेश की स्वच्छता से ही होती थी। हमारी परंपरा में केवल बाहरी स्वच्छता ही नहीं बल्कि मन-मस्तिष्क की स्वच्छता के लिए भी अनेक क्रिया-कलाप शामिल थे। आगे उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने स्वच्छता की नई परिभाषा देते हुए, उसे पूरे देश में प्रचारित किया, जिसे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वच्छता मिशन के रूप में फिर से चर्चा में ला दिया है और अब देश की जनता में स्वच्छता के लिए एक महत्त्वपूर्ण जागृति और जागरूकता देखी जा सकती है। उन्होंने विभिन्न साहित्यकारों की पर्यावरण और स्वच्छता संबंधी कविताओं को सुनाते हुए कहा कि वर्तमान समय में कोरोना महामारी ने एक बार फिर स्वच्छता के महत्त्व को केंद्र में ला दिया है।

व्याख्यान के आरंभ में अमरनाथ अमर का स्वागत साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासरव ने अंगवस्त्रम् द्वारा किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में साहित्य अकादेमी द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के दौरान दिल्ली कार्यालय एवं अन्य क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा किए गए विभिन्न आयोजनों की जानकारी देते हुए कहा कि इस दौरान अकादेमी के दिल्ली स्थित मुख्य कार्यालय में 'पर्यावरण और साहित्य' विषय पर परिसंवाद, परिसर की सफाई और वृक्षारोपण आदि कार्यक्रम किए गए। उन्होंने अकादेमी के सभी कर्मचारियों के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि स्वच्छता की जरूरत निरंतर है और इसे हम सभी मिलकर ही प्राप्त कर सकेंगे। व्याख्यान में ललित कला अकादेमी तथा संगीत नाटक अकादेमी के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

के. श्रीनिवासरव